collegebatch.com

Series SRQP2/2

SET-3

प्रश्न-पत्र कोड 29/2/3

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

collegebatch.com

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

भाषा अपने समाज का प्रतिबिंब होती है, यदि वह संरक्षित नहीं रहेगी तो प्रतिबिंब की कल्पना नहीं की जा सकती । आज न जाने कितनी बोलियाँ आम लोगों की ज़ुबान और व्यवहार से दूर जाती दिख रही हैं । बोलियों की एक गूढ़ बात यह है कि इनमें पारंपरिक ज्ञान का विशाल भंडार छिपा रहता है । किंतु इस ख़ासियत से बेपरवाह दुनिया में प्रचलित सात हजार भाषाओं में से लगभग 300 को लुप्तप्राय माना जाता है । जनजातीय भाषाएँ वहाँ की वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों के बारे में ज्ञान का खजाना हैं । आमतौर पर यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है । ऐसे में, भाषाओं का विलुप्त होना गंभीर समस्या है । पृथ्वी की मौजूदा भाषायी विविधता का करीब आधा हिस्सा खतरे में है ।

किसी भी देश या समाज की मूलभाषा के विलुप्त होने के कई कारण हैं – जैसे – प्राकृतिक या मानवीय कारणों से लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन करना, आधुनिक शिक्षा प्रणाली, अंग्रेज़ी का बढ़ता वर्चस्व और तकनीक का बढ़ता प्रसार । भाषा किसी भी सभ्यता व संस्कृति तथा उसके रहन-सहन को पहचान देती है । ईसाइयों और यहूदियों के धर्म ग्रंथों की मूल भाषा हिब्रू, जैन और बौद्ध धर्म की भाषा प्राकृत और पाली सहित अनेक भाषाओं का अस्तित्व खो गया है । इसलिए यदि सही अर्थों में किसी संस्कृति की प्रगाढ़ता को समझना है तो उसकी भाषा को समझना होगा, संरक्षित करना होगा । लोकतंत्र के समुचित विकास के लिए भी विभिन्न भाषाओं का समृद्ध होना बहुत जरूरी है क्योंकि इनके माध्यम से देश के एक कोने से दूसरे कोने की समस्या को समझकर उसका समाधान किया जा सकता है । स्थानीय भाषाओं का संरक्षण कर ही समाज का समावेशी विकास हो पाता है ।

भारतीय भाषाओं का केंद्रीय संस्थान खतरे में पड़ी देश की भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के उपाय में जुट गया है । ये सब वे भाषाएँ हैं जिन्हें दस हजार से भी कम लोग बोलते हैं । जल-जंगल-जमीन के लिए जाग्रत समाज भी अब समझने लगा है कि अपनी संस्कृति को बचाने के लिए इन तीनों की सुरक्षा के अलावा भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है । वे समझ गए हैं कि जब किसी भाषा का पतन होता है तो उसमें बसी ज्ञान-प्रणाली भी पूरी तरह समाप्त हो जाती है ।

collegebatch.com

(i) प्रस्तुत गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(A) विश्व की प्राचीन भाषाएँ और बोलियाँ

(B) आम ज़ुबान से दूर होती मातृ-भाषा

(C) विदेशी भाषा के प्रति बढ़ता मोह

(D) विलुप्त होती बोलियाँ और भाषाएँ

(ii) बोलियों के विषय में निम्नलिखित में से क्या सत्य है ?

(A) इन्हें सीखना-सिखाना सरल होता है ।

(B) ये पारंपरिक ज्ञान का भंडार होती हैं ।

(C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी इनका स्वरूप बदलता है ।

(D) ये भाषा का प्रारंभिक रूप है ।

(iii) किसी भी भाषा का अस्तित्व समाप्त होना, समाप्त होना है वहाँ के :

(A) जल-जंगल-जमीन का

(B) परंपरागत ज्ञान-प्रणाली का

(C) विचार-विनिमय के साधन का

(D) स्थानीय भाषा के शब्द-भंडार का

(iv) निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से कौन-सा युग्म सही ***नहीं*** है ?

(A) पाली – बौद्ध

(B) प्राकृत – जैन

(C) अंग्रेज़ी – ईसाई

(D) हिब्रू – यहूदी

(v) 'समावेशी विकास' से तात्पर्य है :

(A) प्रत्येक भाषा का विकास

(B) प्रत्येक धर्म का विकास

(C) प्रत्येक जाति का विकास

(D) प्रत्येक व्यक्ति का विकास

(vi) जल-जंगल-जमीन के साथ-साथ __________ को भी बचाने की आवश्यकता है । (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए)

(A) पारंपरिक ज्ञान

(B) जनजातीय भाषाओं

(C) प्राकृतिक परिवेश

(D) पर्यावरण

(vii) किसी भी समाज की मूलभाषा के विलुप्त होने का कारण निम्नलिखित में से क्या ***नहीं*** है ?

(A) तकनीक का बढ़ता विस्तार

(B) उच्च शिक्षा के लिए घर से दूर जाना

(C) मातृ-भाषा को विशेष महत्त्व न देना

(D) मूल भाषा का रोजगारपरक न होना

collegebatch.com

(viii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. मूल भाषा को समझे बिना संस्कृति की प्रगाढ़ता को नहीं समझा जा सकता ।

II. लोकतंत्र की नींव भाषायी-विविधता पर टिकी है ।

III. समावेशी विकास के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण आवश्यक है ।

विकल्प :

(A) केवल कथन I सही है ।
(B) केवल कथन III सही है ।
(C) कथन I और III सही हैं ।
(D) कथन II और III सही हैं ।

(ix) भारतीय भाषाओं के केंद्रीय संस्थान द्वारा किन भाषाओं और बोलियों के संरक्षण का प्रयास किया जा रहा है ?

(A) खतरे में पड़ी देश की भाषाओं और बोलियों को
(B) खतरे में पड़ी विदेशी भाषाओं और बोलियों को
(C) दस हजार से भी कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं और बोलियों को
(D) आदिवासी जन जीवन को संरक्षित करने वाली भाषाओं और बोलियों को

(x) इस गद्यांश का उद्देश्य है :

(A) बोलियों और भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना
(B) बोलियों और भाषाओं के महत्त्व से परिचित कराना
(C) बोलियों और भाषाओं को संवर्धित करना
(D) विलुप्त होती बोलियों और भाषाओं के प्रति चिंता व्यक्त करना

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

पृथ्वी की छाती फाड़, कौन यह अन्न उगा लाता बाहर ?
दिन का रवि, निशि की शीत कौन लेता अपनी सिर-आँखों पर ?
कंकड़-पत्थर से लड़-लड़कर, खुरपी से और कुदाली से,
ऊसर बंजर को उर्वर कर, चलता है चाल निराली ले
मज़दूर भुजाएँ वे तेरी, मज़दूर शक्ति तेरी महान;
घूमा करता तू महादेव ! सिर पर लेकर आसमान ।
पाताल फोड़कर, महाभीष्म ! भूतल पर लाता जलधारा;
प्यासी भूखी दुनिया को तू देता जीवन संबल सारा ।

collegebatch.com

खेती से लाता है कपास, धुन-धुन, बुनकर अंबार परम;
इस नग्न विश्व को पहनाता तू नित्य नवीन वस्त्र अनुपम ।
नंगी घूमा करती दुनिया, मिलता न अन्न, भूखों मरती,
मज़दूर भुजाएँ जो तेरी मिट्टी से नहीं युद्ध करती ।

तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में;
मज़दूर भुजाएँ तेरी ही दुर्गों के शृंग-उठानों में ।
तू छिपा नवल निर्माणों में, गीतों और पुराणों में;
युग का यह चक्र चला करता तेरी पद-गति की तानों में ।

तू ब्रह्मा-विष्णु रहा सदैव
तू है महेश प्रलयंकर फिर ।
हो तेरा तांडव शंभु ! आज
हो ध्वंस, सृजन मंगलकर फिर ।

(i) 'पृथ्वी की छाती फाड़' से क्या अभिप्राय है ?

(A) धरती को नरम बनाकर
(B) धरती को चीर कर
(C) धरती पर हल चलाकर
(D) धरती को सींचकर

(ii) किसान खुरपी और कुदाली से क्या करता है ?

(A) खेतों में बीज बोता है
(B) खेतों में क्यारियाँ बनाता है
(C) धरती से घास-तिनके हटाता है
(D) बंजर धरती को उपजाऊ बनाता है

(iii) 'दिन का रवि, निशि की शीत' से आशय है :

(A) सूर्य का प्रकाश और चंद्रमा की शीतलता
(B) दिन का सूर्य और रात्रि का चंद्रमा
(C) दिन की गर्मी और रात की सर्दी
(D) दिन की गर्मी और रात की चाँदनी

(iv) किसान की भुजाओं को मज़दूर क्यों कहा गया है ?

(A) कठोर परिश्रम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण

(B) खेतों में काम करने की क्षमता से युक्त होने के कारण

(C) शक्ति से युक्त होने के कारण

(D) उसे संबल प्रदान करने के कारण

(v) 'मिट्टी से युद्ध करने' से अभिप्राय है :

(A) मिट्टी से खेलना

(B) मिट्टी में रहना

(C) मिट्टी पर हल चला फ़सल उगाना

(D) मिट्टी से खरपतवार हटाना

(vi) किसान की तुलना देवताओं से क्यों की गई है ?

(A) धरती की छाती फाड़ अन्न उपजाने के कारण

(B) पाताल से जल-धारा लाने के कारण

(C) शरीर ढकने के लिए वस्त्र प्रदान करने के कारण

(D) जीवनयापी साधन प्रदान करने के कारण

(vii) 'पाताल फोड़कर, महाभीष्म ! भूतल पर लाता जलधारा' – पंक्ति में पाताल से अभिप्राय है :

(A) नदी-नहरों से (B) धरती के गर्भ से

(C) सूखे तालाबों से (D) मृतप्राय कूपों से

(viii) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. किसानों की महिमा का उल्लेख करना

II. किसानों के जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख करना

III. किसानों की दिनचर्या का वर्णन करना

IV. किसानों के परिश्रम का वर्णन करना

विकल्प :

(A) केवल कथन I सही है । (B) कथन I और IV सही हैं ।

(C) कथन I, II और III सही हैं । (D) कथन I, II और IV सही हैं ।

collegebatch.com

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) राख के ढेर में पोटली ढूँढ़ते सूरदास की तुलना किससे की गई है ?

(A) नदी में से पैसे बटोरते गंगा-पुत्रों से

(B) सागर में से मोती ढूँढ़ते गोताखोरों से

(C) पानी में मछली ढूँढ़ने वाले आदमी से

(D) रेत में सोना ढूँढ़ने वाले आदमी से

(ii) 'क्या जानता था कि आज यह विपत्ति आने वाली है, नहीं तो यहीं न सोता !' – कथन से सूरदास के मन की किस भावना का पता चलता है ?

(A) पश्चात्ताप (B) निराशा

(C) आत्मग्लानि (D) बेचैनी

(iii) ग्लानि, चिंता और क्षोभ में डूबा सूरदास उबर आया :

(A) खेल में रोते हो, कथन को सुनकर

(B) मिठुआ के रुदन को सुनकर

(C) आत्मिक शक्ति के बल पर

(D) गाँव के बच्चों का स्वर सुनकर

(iv) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का केंद्र बिंदु है :

(A) लेखक और उसका गाँव (B) गाँव का प्राकृतिक परिवेश

(C) लोक परंपराएँ और मान्यताएँ (D) प्राकृतिक सौंदर्य और विपदाएँ

(v) इसे 'सेस, सारद' भी नहीं बयान कर सकते ।' – पंक्ति के आधार पर लिखिए कि 'सेस, सारद' क्या वर्णन नहीं कर सकते ?

(A) माँ की बच्चों के प्रति ममता की भावना

(B) बत्तख द्वारा अंडों को उलटना-पलटना

(C) बिसनाथ द्वारा दुग्धपान करने का सुख

(D) बत्तख द्वारा अंडों की रक्षा करने का सुख

(vi) ओंकारेश्वर में नर्मदा चिढ़ती और तिनतिन-फिनफिन करती क्यों बह रही थी ?

(A) खूब अधिक वर्षा होने के कारण

(B) उस पर बाँध बनाए जाने के कारण

(C) जगह-जगह घाट बनाए जाने के कारण

(D) बाँध से पानी छोड़े जाने के कारण

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : मालवा के राजाओं ने तालाब बनवाए, बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाईं ।

कारण : दुष्काल मजे में निकल जाए और धरती के गर्भ में पानी पहुँचाया जा सके ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कारण सही है, किन्तु कथन ग़लत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) मि. मेहरा ने राजनीति शास्त्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की है और राजनीति में उनकी विशेष रुचि भी है । उनकी योग्यता और रुचि को देखते हुए उन्हें कौन-सी 'बीट' दी जाने की संभावना है ?

(A) आर्थिक (B) राजनीतिक

(C) खेल (D) कानूनी

(ii) टेलीविज़न पर समाचार सुनाते समय निम्नलिखित में से किस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए ?

(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों

(B) सहज सरल आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग हो

(C) आँकड़ों और संख्याओं का इस्तेमाल न किया जाए

(D) गंभीर और गूढ़ बातों का उल्लेख न किया जाए

(iii) समाचारों के चयन की प्राथमिकता का आधार क्या होता है ?

(A) पाठकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(B) पत्रकारों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(C) संवाददाताओं की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(D) प्रकाशकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण

(iv) समाचार लेखन के छह ककारों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. समाचार लेखन के अंतिम दो ककार हैं – किसलिए और कहाँ ।

II. समाचार लेखन के पहले चार ककार सूचना और तथ्यों पर आधारित होते हैं ।

III. समाचार लेखन के अंतिम दो ककारों में विवरण, व्याख्या और विश्लेषण पर जोर दिया जाता है ।

विकल्प :

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) II और III दोनों

(v) कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी रोजमर्रा की खबरें लिखी जाती हैं :

(A) उलटा पिरामिड शैली में (B) कथात्मक शैली में

(C) सीधा पिरामिड शैली में (D) विश्लेषणात्मक शैली में

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

कहते हैं, पर्वत शोभा-निकेतन होते हैं । फिर हिमालय का तो कहना ही क्या ! पूर्व और अपर समुद्र – महोदधि और रत्नाकर – दोनों को दोनों भुजाओं से थाहता हुआ हिमालय 'पृथ्वी का मानदंड' कहा जाए तो ग़लत क्या है ? कालिदास ने ऐसा ही कहा था । इसी के पाद-देश में यह जो शृंखला दूर तक लोटी हुई है, लोग इसे शिवालिक शृंखला कहते हैं । 'शिवालिक' का क्या अर्थ है ? 'शिवालिक' या शिव के जटाजूट का निचला हिस्सा तो नहीं है । लगता तो ऐसा ही है । शिव की लटियायी जटा ही इतनी सूखी, नीरस और कठोर हो सकती है । वैसे, अलकनंदा का स्रोत यहाँ से काफ़ी दूरी पर है, लेकिन शिव का अलक तो दूर-दूर तक छितराया ही रहता होगा । संपूर्ण हिमालय को देखकर ही किसी के मन में समाधिस्थ महादेव की मूर्ति स्पष्ट हुई होगी ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने वर्णन किया है :

(A) हिमालय पर पाई जाने वाली वनस्पति का

(B) शिव के अलक जाल के निचले हिस्से का

(C) हिमालय पर्वत की कठोर चट्टानों का

(D) हिमालय पर्वत के प्राकृतिक सौंदर्य का

collegebatch.com

(ii) हिमालय अपनी दोनों भुजाओं में कौन-से दो समुद्रों को थामे हुए है ?

(A) अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

(B) हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी

(C) अरब सागर और हिंद महासागर

(D) बंगाल की खाड़ी और प्रशांत महासागर

(iii) लेखक को 'शिवालिक की पहाड़ियों' में क्या दिखाई देता है ?

(A) शिव की जटाएँ

(B) शानदार ठिगने वृक्ष

(C) अलकनंदा का स्रोत

(D) सूखी हुई दूब

(iv) 'शिवालिक' नामकरण का आधार है :

(A) सूखी नीरस वनस्पति का होना

(B) शिव का समाधिस्थल होना

(C) शिव के समान रूपाकार होना

(D) अलकनंदा का उद्‌गम स्थल होना

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : हिमालय को देखकर समाधिस्थ महादेव की मूर्ति स्पष्ट होती है ।

कारण : हिमालय पृथ्वी का मानदंड है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

collegebatch.com

6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस शहर में धूल
धीरे-धीरे उड़ती है
धीरे-धीरे चलते हैं लोग
धीरे-धीरे बजते हैं घंटे
शाम धीरे-धीरे होती है

यह धीरे-धीरे होना
धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज़ जहाँ थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बँधी है नाव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ
सैकड़ों बरस से

(i) बनारस शहर में हर काम का 'धीरे-धीरे' होना दर्शाता है :

(A) पारंपरिक जीवन-शैली को

(B) काम करने की धीमी गति को

(C) वहाँ के लोगों की आलसी प्रवृत्ति को

(D) आधुनिकता से बेखबर होने को

(ii) 'कि गंगा वहीं है' – से आशय है :

(A) गंगा का बहाव पहले जैसा है ।

(B) गंगा का स्वरूप पहले जैसा है ।

(C) गंगा के प्रति आस्था और विश्वास पहले जैसा है ।

(D) गंगा की पूजा-अर्चना पहले जैसी है ।

(iii) 'कि वहीं बँधी है नाव' – से अभिप्राय है :

(A) गंगा के दूसरे तट पर जाने के लिए नाव का प्रयोग करते हैं ।

(B) गंगा संबंधी परंपराएँ और मान्यताएँ उसी रूप में विद्यमान है ।

(C) घाटों के किनारे नाव बाँधने का स्थान वहीं है ।

(D) गंगा के घाटों में कोई बदलाव नहीं है ।

(iv) 'तुलसीदास की खड़ाऊँ भी सैकड़ों वर्षों से वहीं रखी है' – पंक्ति का भाव है :

(A) बनारस शहर में कोई किसी चीज़ को नहीं छूता ।

(B) मंदिर के वातावरण में कोई परिवर्तन नहीं है ।

(C) तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा में कोई कमी नहीं है ।

(D) वहाँ का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वैसा ही बना हुआ है ।

(v) बनारस शहर में धरोहर के रूप में सुरक्षित है :

(A) गंगा के किनारे घाटों पर बँधी नाव

(B) मंदिरों में रखी तुलसीदास की खड़ाऊँ

(C) प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था और विश्वास

(D) प्राचीनता के साथ आधुनिकता का रूप लिए शहर

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) जब नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया

(ख) और भी खेल हैं, क्रिकेट के अतिरिक्त

(ग) डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ता भारत

collegebatch.com

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) पत्रकारीय लेखन का ही एक रूप होते हुए फ़ीचर लेखन समाचार से भिन्न किस प्रकार है ?

(ख) इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों की तुलना में मुद्रित माध्यमों की सीमाओं का उल्लेख कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) कहानी से आप क्या समझते हैं ? "हर आदमी में कहानी कहने या लिखने का भाव है ।" सिद्ध कीजिए ।

(ख) कविता के महत्त्वपूर्ण घटक कौन-कौन से हैं ? किन्हीं दो का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ग) नाटककार में एक कुशल संपादक के गुण आवश्यक क्यों माने गए हैं ?

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'कार्नेलिया का गीत' से उद्धृत – 'सरस तामरस गर्भ विभा पर – नाच रही तरुशिखा मनोहर' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'यह दीप अकेला' – से ली गई पंक्ति – 'यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत: इसको भी शक्ति को दे दो' – के आधार पर व्यष्टि के समष्टि में विसर्जन की उपयोगिता लिखिए ।

(ग) 'अपराधिहु पर कोह न काऊ' – पंक्ति के संदर्भ में राम की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) श्रृंगार, रहा जो निराकार,
रस कविता में उच्छ्‌वसित-धार
गाया स्वर्गीया-प्रिया-संग –
भरता प्राणों में राग-रंग,
रति-रूप प्राप्त कर रहा वही,
आकाश बदल कर बना मही ।
हो गया ब्याह, आत्मीय स्वजन,
कोई थे नहीं, न आमंत्रण
था भेजा गया, विवाह-राग
भर रहा न घर निशि-दिवस जाग;
प्रिय मौन एक संगीत भरा
नव जीवन के स्वर पर उतरा ।

अथवा

(ख) कत मधु-जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि ।।
लाख लाख जुग हिअ हिअ राखल तइओ हिअ जरनि न गेल ।।
कत बिदग्ध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख ।।
विद्यापति कह प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक ।।

12. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि पारो ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ।"

(ख) 'शेर' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए कि "प्रमाण से अधिक महत्त्वपूर्ण है, विश्वास ।"

(ग) रोगी बालक और कुटिया में रहने वाले रुग्ण व्यक्ति के प्रति गाँधी जी के व्यवहार का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए लिखिए कि इससे उनके चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है ।

collegebatch.com

13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर-ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है । प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है । बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए ज़रूर बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं । किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते ।

अथवा

(ख) पुर्ज़े खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है, लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ीसाज़ी का इम्तहान पास कर आया है उसे तो देखने दो । साथ ही यह भी समझा दो कि आपको स्वयं घड़ी देखना, साफ़ करना और सुधारना आता है कि नहीं । हमें तो धोखा होता है कि परदादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्ज़े सुधारना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते इत्यादि ।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *3*

(क) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर लिखिए कि कभी भैरों के घर का रुख न करने का निश्चय करने वाली सुभागी ने उसके घर जाने का निश्चय क्यों किया । इससे उसके चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है ?

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि "फूल केवल प्राकृतिक सौंदर्य में ही वृद्धि नहीं करते बल्कि वे औषधीय गुणों से भी भरपूर होते हैं ।"